बजट से पेट्रोल में एथनाल मिश्रण को मिलेगी रफ्तार

2025-26 तक पेट्रोल में 20% एथनाल मिश्रण करने का लक्ष्य

सुरेंद्र प्रसाद सिंह • नई दिल्ली

केंद्र ने 2025-26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण का लक्ष्य रखा है। इसको देखते हुए आगामी वित्त वर्ष के आम बजट में एथनाल आयात को शुल्क मुक्त कर दिया गया है। हरित ऊर्जा क्षेत्र में यह बड़ी पहल है, जिसे भारत में तेजी से अपनाया जा रहा है। सरकार के पेट्रोल में एथनाल मिश्रण कार्यक्रम में चीनी उद्योग क्षेत्र सबसे बड़ा हिस्सेदार है।

- बजट में एथनाल आयात को पूरी तरह शुल्क मुक्त बनाया गया
- 100 प्रतिशत शीरा का इस्तेमाल एथनाल उत्पादन में हो सकेगा

चीनी उद्योग में अब एथनाल उत्पादन के लिए 100 प्रतिशत शीरा का उपयोग हो सकेगा। दूसरी तरफ,
चीनी उद्योग में अब एथनाल उत्पादन के लिए 100 प्रतिशत शीरा का उपयोग हो सकेगा। दूसरी तरफ,
चीनी उद्योग आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए सीधे गन्ने के रस से एथनाल उत्पादन भी करने लगा है। इससे भी एथनाल का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। दरअसल, घरेलू रसायन उद्योग में एथनाल का प्रचुर मात्रा में उपयोग होता है। एथनाल के अन्य क्षेत्रों में हो रहे डायवर्जन को रोकने के लिहाज से सरकार का यह कदम काफी मुफीद साबित होगा। पेट्रोल के अतिरिक्त घरेलू
को रोकने के लिहाज से सरकार का यह कदम काफी मुफीद साबित होगा। पेट्रोल के अतिरिक्त घरेलू
रसायन, पेंट्स और फार्मास्युटिकल्स उद्योग में भारी मात्रा में एथनाल का प्रयोग होता है। इन क्षेत्रों की जरूरत को सस्ते आयात से पूरा करने के मकसद से आयात को शुल्क मुक्त किया गया है। ग्रीन एनर्जी कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की दिशा में इसे उत्साहजनक माना जा रहा है।

2013-14 में पेट्रोल में मात्र 1.53 प्रतिशत एथनाल मिलाया जा रहा था, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 10.17 प्रतिशत पहुंच गया है। इसे वर्ष 2025-26 तक बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाना है। इसके लिए ई-20 कार्यक्रम शुरू किया गया है। ई-20 के लिए कुल 11 अरब लीटर एथनाल की जरूरत पड़ेगी। घरेलू एथनाल उत्पादन क्षमता 14.8 अरब लीटर पहुंच गई है। इसमें 7.6 अरब लीटर एथनाल का उत्पादन गन्ना और 7.2 अरब लीटर अनाज और अन्य बायोमास से किया जा रहा है।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने पिछले सप्ताह ही एक कार्यक्रम
अन्य बायोमास से किया जा रहा है।
केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने पिछले सप्ताह ही एक कार्यक्रम
में घोषणा की थी कि आगामी एक अप्रैल से देश के कुछ शहरों के पेट्रोल पंपों पर 20 प्रतिशत एथनाल वाला पेट्रोल उपलब्ध होने लगेगा। इसकी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। इस बाबत आटोमोबाइल क्षेत्र में किए जाने वाले बदलावों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

वैश्विक ऊर्जा कंपनियों के प्रमुखों से मिलेंगे पीएम

जयप्रकाश रंजन • नई दिल्ली

भारत ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर, विंड जैसे गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के क्षेत्र में विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के साथ कच्चे तेल और गैस की खोज व खनन में भी लुभाने की कोशिश नहीं छोड़ रहा है। इसी क्रम में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दुनिया की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों के प्रमुखों के साथ एक अहम बैठक करेंगे। बैठक में पीएम इन कंपनियों से भारत के तेल व गैस सेक्टर में निवेश का आग्रह करेंगे। पीएम मोदी इनसे बेंगलुरु में होने वाले इंडिया एनर्जी वीक में भी मुलाकात करेंगे।
निवेश का आग्रह करेंगे। पीएम मोदी इनसे बेंगलुरु में होने वाले इंडिया एनर्जी वीक में भी मुलाकात करेंगे।

पीएम की इस मुलाकात को पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से तेल व गैस खोज के लिए कंपनियों को दी जाने वाली जमीन दोगुनी करने की योजना से भी जोड़कर देखा जा रहा है। मंत्रालय की योजना है कि वर्ष 2025 तक देश में पांच लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में

बैठक के दौरान दुनियाभर की कंपनियों के प्रमुखों से भारत के तेल एवं गैस सेक्टर में निवेश का आग्रह करेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

तेल व गैस की खोज की जाए और वर्ष 2030 तक इसे बढ़ा कर दस लाख वर्ग किलोमीटर किया जाए।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि स्वच्छ ईंधन पर भारत जितना फोकस कर रहा है, उतना फोकस दुनिया का कोई देश नहीं कर रहा। हमें अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी सतर्क रहना है। अभी जब तक ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर या दूसरे गैर पारंपरिक ऊर्जा
सुरक्षा को लेकर भी सतर्क रहना है। अभी जब तक ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर या दूसरे गैर पारंपरिक ऊर्जा
स्रोतों के उत्पादन व उपयोग में हम काफी कोशिश कर रहे हैं लेकिन पहले से चल रहे ईंधन को लेकर भी प्रैक्टिकल एप्रोच रखनी होगी। उनका कहना है कि भारत अभी 50 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन रोजाना कर रहा है, जो कुछ वर्षों में 75 लाख बैरल का हो जाएगा।